



भारत ने वशिव बैंक के साथ 21.7 मिलियन डॉलर के ऋण समझौते पर कयि हस्ताक्षर

चर्चा में कयों?

राजस्थान परियोजना में सार्वजनिक वित्तीय प्रबंधन की मज़बूती के लयि वशिव बैंक से 21.7 मिलियन अमेरिकी डॉलर के ऋण समझौते पर नई दल्लि में भारत सरकार और वशिव बैंक द्वारा हस्ताक्षर कयि गए ।

मुख्य बदि

- यह परियोजना 31 मिलियन अमेरिकी डॉलर की है, जसिमें से 21.7 मिलियन अमेरिकी डॉलर वशिव बैंक से और शेष राशिराज्य बजट से ली जाएगी ।
- इस परियोजना की अवधि 5 साल है ।

उद्देश्य

- परियोजना का उद्देश्य राजस्थान में राजस्व प्रशासन में बेहतर बजट नषिपादन, बढी जवाबदेही और अधिक दक्षता में योगदान करना है ।
- परियोजना में अन्य कार्यों के अलावा सार्वजनिक वित्तीय प्रबंधन ढाँचे को सुदृढ बनाना, व्यय एवं राजस्व प्रणाली को सुदृढ करना और परियोजना प्रबंधन तथा क्षमता नरिमाण शामिल हैं ।

पृष्ठभूमि

- वर्ष 1944 में अमेरिका के ब्रेटन वुड्स शहर में वशिव के नेताओं द्वारा वशिव बैंक और अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष की स्थापना की गई । शुरुआत में इन दोनों संस्थाओं को ब्रेटन वुड्स संस्था के नाम से जाना गया ।
- इन दोनों संस्थाओं की स्थापना द्वितीय वशिवयुद्ध के बाद अंतरराष्ट्रीय अर्थव्यवस्थाओं को दोबारा पटरी पर लाने के उद्देश्य से की गई थी । इन दोनों वित्तीय संस्थाओं की अपनी अलग-अलग भूमिका है ।

वशिव बैंक

- वशिव बैंक संयुक्त राष्ट्र की ऋण प्रदान करने वाली एक वशिषिट संस्था है, इसका उद्देश्य सदस्य देशों की अर्थव्यवस्थाओं को एक वृहद वैश्विक अर्थव्यवस्था में शामिल करना तथा विकासशील देशों में गरीबी उनमूलन के प्रयास करना है ।
- यह नीति सुधार कार्यक्रमों एवं संबंधित परियोजनाओं के लयि ऋण प्रदान करता है । वशिव बैंक की सबसे खास बात यह है कयिह केवल विकासशील देशों को ऋण प्रदान करता है ।
- इसका प्रमुख उद्देश्य सदस्य राष्ट्रों को पुनर्रिमाण और विकास के कार्यों में आर्थिक सहायता प्रदान करना है ।
- इसके अंतर्गत वशिव को आर्थिक तरक्की के मार्ग पर लाने, वशिव में गरीबी को कम करने, अंतरराष्ट्रीय नविश को बढावा देने जैसे पक्षों पर बल दयिा गया है ।
- वशिव बैंक समूह का मुख्यालय
- वाशिंगटन डी सी (अमेरिका) में अवस्थित है ।

वशिव बैंक में शामिल पाँच संस्थाएँ

- अंतरराष्ट्रीय पुनर्रिमाण और विकास बैंक (International Bank for Reconstruction and Development – IBRD), इसे ही वशिव बैंक कहा जाता है ।
- अंतरराष्ट्रीय विकास संघ (International Development Association – ADA)
- अंतरराष्ट्रीय वित्त नगिम (International Finance Corporation – IMF)
- बहुपक्षीय नविश प्रत्याभूति एजेंसी (Multilateral Investment Guarantee Agency – MIGA)
- नविश संबंधी विवादों के नषिटान का अंतरराष्ट्रीय केंद्र (International Centre for Settlement of Investment Disputes – ICSID)
- वर्तमान में वशिव बैंक में 180 देश सदस्य हैं । वशिव बैंक का सदस्य बनने के लयि कसिी भी देश को पहले अंतरराष्ट्रीय वित्त नगिम का सदस्य बनना ज़रूरी होता है ।

